

citizenship who have been ejected from Uganda cannot come here?

SHRI SURENDRA PAL SINGH: Firstly, the question relates to Kenya.....

MR. SPEAKER: The question is about Indians in East Africa of which Uganda is a part.

SHRI B. R. BHAGAT: Certain orders for expulsion of Indian citizens were there but they were subsequently withdrawn by the Uganda Government.

Indian Banks in Ceylon

*1140. **SHRI SHIVA CHANDRA JHA:** Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian banks operating in Ceylon, have been put under certain restrictions;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (**SHRI B. R. BHAGAT**): (a) to (c). The Government of Ceylon has imposed certain restrictions on foreign banks, including Indian banks, regarding the opening of accounts by Ceylonese nationals. As these do not constitute discrimination specially directed against Indian banks, Government have made no representation to the Government of Ceylon.

श्री मधु लिमये : क्या श्रीलंका सरकार ने भी बैंको पर सौशल कंट्रोल किया है ?

श्री शिवचन्द्र झा : क्या यह सही नहीं है कि सीलोन में विदेशी बैंको पर जो रेस्ट्रिक्शन लगाये गये हैं, भारतीय बैंको ने उन को मानने से इन्कार कर दिया है जब कि दूसरे विदेशी बैंको ने वे शर्तें कबूल कर ली हैं; यदि हाँ, तो क्या भारतीय बैंको ने स्वतः ऐसा किया है या भारत सरकार के आदेश पर ?

श्री ब० रा० भगत : हमारी सूचना ऐसी नहीं है। अगर माननीय सदस्य के पास कोई सूचना है तो वह हमें दें। भारतीय बैंको ने क्या करने से इन्कार कर दिया है ?

श्री शिव चन्द्र झा : सीलोन सरकार ने यह शर्त लगाई है कि विदेशी बैंक अपने फ्रैंड्स की सरटैन परसेटिज डेबैलपमेंट के लिये अवश्य लगायें। दूसरे विदेशी बैंक तो इस के लिये राजी हो गये हैं, लेकिन हिन्दुस्तानी बैंक ऐसा करने के लिये तैयार नहीं हुए हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या भारतीय बैंको ने यह फ्रैंसला अपने आप किया है या भारत सरकार के आदेश पर किया है।

श्री ब० रा० भगत : हमारे पास ऐसी कोई सूचना नहीं है।

श्री शिवचन्द्र झा : मैं यह जानना चाहता हूँ कि सीलोन में जो हिन्दुस्तानी बैंक हैं, वे किस भारतीय इंडस्ट्रियल कन्सर्न के हैं और वे प्रतिवर्ष कितना मुनाफा भारत को भेजते हैं।

श्री ब० रा० भगत : बैंको और दूसरी कम्पनियों के बाहर मुनाफा भेजने पर भी रोक लगाई गई है।

श्री शिवचन्द्र झा : मैं ने यह भी पूछा है कि वे बैंक किस भारतीय इंडस्ट्रियल कन्सर्न के हैं—बिड़ला, टाटा, किस के हैं।

श्री ब० रा० भगत : अगर माननीय सदस्य बैंको के नाम जानना चाहते हैं, तो स्टेट बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन प्रोब्रसीज बैंक और इण्डियन बैंक ये तीन बैंक वहाँ पर हैं।

SHRI D. N. TIWARY: After the imposition of these restrictions, has the business of Indian banks in Ceylon gone down. If so, to what extent?

SHRI B. R. BHAGAT: I require notice for details.

SHRI DINKAR DESAI: The Minister has said that the Ceylon Government have put some restrictions on non-Ceylonese banks including Indian banks. Are Government considering putting similar restrictions on Ceylonese banks in India, if there are any?

SHRI B. R. BHAGAT: There is no Ceylonese banks in India and we do not believe in any retaliatory measures. I may mention that the Finance Minister of Ceylon has introduced a Bill in their Parliament in which he proposes to relax some of these restrictions.

श्री सु० प्र० खां : क्या यह सही है कि सीलोन सरकार ने काटन टेक्स्टाइल के इम्पोर्ट पर पाबन्दी लगा दी है, यदि हां, तो, उससे हमारी निजार्त पर क्या असर पड़ेगा ?

श्री ब० रा० भगत : अगर माननीय सदस्य इस के बारे में नया सवाल पूछे, तो मैं उन को जवाब दे दूंगा ।

श्री सु० प्र० खां : यह सवाल इस बारे में है कि सीलोन सरकार ने कुछ पाबन्दियां लगा दी हैं । उसी मिलिमिने में मैं यह जानना चाहता हूँ ।

SHRI TRIDIB KUMAR CHAUDHURI: Have Government received any representation from our banks operating in Ceylon in regard to the inconveniences they are put to because of these restrictions, and has any representation been made at the official level about this?

SHRI B. R. BHAGAT: There has been no representation. Actually, this is an old restriction applied in 1961 or so. Recently there is a move to relax it.

हिन्द महासागर से ब्रिटिश सेनाओं का हटाया जाना

1141 श्री यशवंत सिंह कुशवाह : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि हिन्द महासागर से ब्रिटिश सेनाओं को हटा लिये जाने के ब्रिटिश निर्णय के परिणामस्वरूप वहां पैदा हो सकने वाली शक्ति-शून्यता को भरने के लिये क्या भारतीय नौसैनिक शक्ति को बढ़ाने का सरकार का विचार है ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH): Government do not accept the validity of the proposition that a vacuum will be created in the Indian Ocean on the British decision to withdraw from the areas east of Suez. We are concerned with the defence of our coast-line and the protection of our trade and commerce and for this purpose adequate steps are being taken to strengthen the Navy.

श्री यशवंत सिंह कुशवाह : क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि ब्रिटेन की कितनी नौ-सेना शक्ति अपने हिन्द महासागर में थी जो कि चली जायेगी, और वह कब तक चली जायेगी ? तथा क्या उतनी ही मात्रा में भारत की अपनी सैनिक शक्ति बढ़ा ली जायेगी जितनी कि ब्रिटेन की तरफ वाली नौसेना शक्ति हिन्द महासागर से जा रही है ?

SHRI SWARAN SINGH: The two are not at all inter-connected. The British had some naval forces in different parts or areas adjoining the Indian Ocean. There was no naval presence on the Indian coast. And our policy, which is well known to this House, is not to send our navy to other countries. So, I do not see the relationship between these two.

श्री यशवंत सिंह कुशवाह : क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि मौजूदा साल में अपनी नौ-सैनिक शक्ति